**CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE**

**ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018**

**CLASS: VIII**

**SUBJECT: SANSKRIT**

| Month & Working Days | Theme/ Sub-theme | Learning Objectives | | Activities &Resources | Expected Learning Outcomes | Assessment |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Subject Specific (Content Based) | Behavioural (Application based) | | | |
| **जून**<br>**15**<br>**कालांश 4** | 1) कारक | 1) लेखन कौशल का विकास<br>**2)** अभिव्यक्ति का विकास | 1)कारको के द्वारा वाक्य रचना करना सिखाना। | **पी पी टी** | 1) लेखन कौशल का विकास हुआ।<br>**2)** अभिव्यक्ति का विकास **हुआ।** | **अभ्यास कार्य** |
| | 2)श्लोकाः | 1)संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास कराना।<br>2)श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनाना।<br>3)संस्कृत विषय में रुचि जागृत करना।<br>4)क्रियाओं के मूल धातु से परिचित कराना। | 1)श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना।<br>2)छात्रों के लक्षण बताना।<br>3) दान का महत्त्व समझाना।<br>4)सज्जनों की संगति का महत्त्व समझाना। | गतिविधि 1 श्लोकों का सस्वर गायन<br>‘ श्लोकानुवाद एवं व्याख्या<br><br>गतिविधि 2 प्रश्न–1 केषां स्थितिः उच्चैः ?<br>2 छात्राणां लक्षणानि कति ?<br>3 गौरवं कस्मात् प्राप्यते ?<br>4 हंस–बकयोः भेदः कस्मिन् भवति ? | 1) संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास हुआ।<br>2) श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम हुए।<br>3) संस्कृत विषय में रुचि जागृत हुई।<br>4) क्रियाओं के मूल धातु से परिचित हुए।<br>5)विश्लेषण कौशल का विकास हुआ। | प्रश्नों के द्वारा |
| जुलाई 24<br>**कालांश 6** | 1) बिलस्य वाणी न कदापि मे श्रुता | 1) संस्कृत के नवीन ‘ शब्दों व | 1)विश्लेषण क्षमता का विकास करना। | गतिविधि (1) पाठ को कहानी के रूप में | 1) संस्कृत के नवीन शब्दों व | रिक्त स्थानों की पूर्ति– के द्वारा |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | **व्याकरण** –शब्दरुप राजन् , अस्मद् | उनके अर्थ से परिचित कराना।<br>2)शुद्ध वाचन का अभ्यास कराना।<br>3)संस्कृत पढ़ने व लिखने के प्रति रुचि जागृत करना।<br>4)अव्यय शब्दों का अभ्यास कराना। | 2)अवलोकन, दूरदर्शिता, त्वरित निर्णय क्षमता के महत्त्व से परिचित कराना। | सुनाना ।<br>पाठ का वाचन<br>नए शब्दों के अर्थ–<br>1 गुहा– गुफा<br>2 रवः– आवाज़<br>3 अन्तरे–बीच में<br>4 वेपथुः– कंपन<br>5 सहसा–एकाएक<br><br>(2) उचित अव्ययों के द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–<br>(बहिः, तदा, तर्हि,सदा)<br>1 यदा दशवादनं भवति––––––छात्राः विद्यालयं गच्छन्ति।<br>2 यदि सफलताम् इच्छसि––––आलस्यं तज।<br>3 शृगालः गुहायाः––––आसीत्।<br>4 सूर्यः पूर्वदिशायां––––उदेति।<br><br>लिखित गतिविधि (3) इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है? | उनके अर्थ से परिचित हुए।<br>2) शुद्ध वाचन का अभ्यास हुआ।<br>3) संस्कृत पढ़ने व लिखने के प्रति रुचि हुई।<br>4) अव्यय शब्दों का अभ्यास हुआ।<br>5) विश्लेषण क्षमता का विकास हुआ।<br>6) अवलोकन, दूरदर्शिता, त्वरित निर्णय क्षमता के महत्त्व से परिचित हुए। | |
| अगस्त 21<br>**कालांश 5** | 1) सदैव पुरतो निधेहि चरणम् | 1 विधिलिंग का परिचय कराना।<br>2 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास ।<br>3 ध्यानपूर्वक सुनना।<br>4 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास।<br>5 अव्यय पदों के | 1)अपने लक्ष्य से विचलित न होने की सीख देना।<br>2) निडर बनाना।<br>3) अपने देश के प्रति सम्मान का भाव जगाना।<br>4) विपरीत परिस्थितियों में हमेशा आगे बढ़ने की सीख देना। | गतिविधि– 1 पाठ का वाचन<br>2 पाठ का अनुवाद<br>3 पाठ में आए विधिलिंग पद छाँटिए।<br>गतिविधि 4 – समभाव वाली दूसरी कविता सुनना। | 1 विधिलिंग का परिचय हुआ।<br>2 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ ।<br>3 ध्यानपूर्वक सुनने लगे।<br>4 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ । ।<br>5 अव्यय पदों के अर्थ जानने लगे।<br>6 अपने लक्ष्य से विचलित न होना।<br>7 निडर बनाना। | पाठ म आए विधिलिंग पद छाँटिए। के द्वारा |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अर्थ जानना। | | | 8 विपरीत परिस्थितियों में हमेशा आगे बढ़ना। | |
| | 2)धर्मे धमनं पापे पुण्यम्<br>**व्याकरण** –लोट् लकार | **1** ऋकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों का ज्ञान कराना।<br>**2** लोट् लकार का परिचय ।<br>**3** सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास।<br>**4** विराम का प्रयोग करते हुए स्पष्टता के साथ वाचन कराना।<br>**5** हावभाव, उचित आरोह अवरोह के साथ प्रस्तुति देना।<br>**6** कठिन शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम बनाना। | **1** तर्क पूर्वक अपनी बात कहना।<br>2 मुसीबत के समय प्रत्युत्पन्नमति से कार्य करना। | गतिविधि– 1 पाठ का वाचन<br>2 पाठ का अनुवाद<br>3 पाठ में आए ऋकारान्त शब्द छाँटिए।<br><br>गतिविधि 4 – कहानी का नाट्यरूपांतरण | **1)** वाचन कौशल का विकास हुआ।<br>2) अपनी बात तर्कपूर्वक कहने लगे।<br>3) ऋकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों का ज्ञान हुआ।<br>**4)** लोट् लकार का परिचय हुआ ।<br>**5)** सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ।<br>6 ) हावभाव, उचित आरोह अवरोह के साथ प्रस्तुति देना सीखा।<br>**7)** कठिन शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने का प्रयास करने लगे। | कहानी का नाट्यरूपांतरण के द्वारा |
| सितंबर 21<br>**कालांश 5** | 1) प्रेमलः प्रेमलीश्च कथा<br>**व्याकरण** – अपठित बोध, अनुच्छेद लेखन | **1)** संस्कृत उपसर्ग एवं प्रत्ययों का परिचय कराना।<br>**2)** एकाग्रता से सुनकर अर्थग्रहण | **1)** निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना।<br>**2)** वाक्चातुर्य से परिस्थितियों को बदलने के कौशल का | पाठ पढ़ाने के पूर्व गिजुभाई की अन्य कहानी कक्षा में सुनाई जाएगी।<br><br>गतिविधि– 1) 1 पाठ का वाचन<br>2 पाठ का अनुवाद<br>गतिविधि– 3) उपसर्ग धातु एवं प्रत्यय अलग | **1)** संस्कृत उपसर्ग एवं प्रत्ययों का परिचय हुआ।<br>**2)** एकाग्रता से सुनकर अर्थग्रहण करने में सक्षम **हुए**<br>3) कठिन शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम | 1 पाठ का वाचन<br><br>2 पाठ का अनुवाद के द्वारा |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | करने में सक्षम बनाना।<br>3) कठिन शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम बनाना।<br>**4)** विराम का प्रयोग करते हुए स्पष्टता के साथ वाचन कराना।<br>**5)** संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास। | विकास करना। | कीजिए। आगत्य , आदाय, निधाय , संस्पृश्य गतिविधि 4 – कहानी से मिलनेवाला संदेश अपने शब्दों में लिखिए। | हुए।<br>**4)** विराम का प्रयोग करते हुए स्पष्टता के साथ वाचन करने लगे।<br>**5** )संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ। | |
| अक्टूबर 17 | पुनरावृत्ति I TERM END EXAMINATION | | | | | |
| नवम्बर 23<br>**कालांश 6** | 1) सप्तभगिन्यः | 1)उत्तर पूर्व के सात राज्यों से परिचय करवाना ।<br>2)सप्त राज्यों की संस्कृति से परिचय करवाना ।<br>3) संस्कृत भाषा के नए शब्दों से परिचय करवाना ।<br>4)वाचन कला में बच्चों को निपुण बनाना । | 1)प्रकृति के सौंदर्य से परिचय करवाना ।<br>2)भारत की विविधता में एकता की संस्कृति से परिचय करवाना ।<br>3) भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक वैशिष्टय से परिचय करवाना । | गतिविधि–1 पाठ का वाचन ।<br>गतिविधि–2 पाठ का अर्थ ज्ञापन ।<br>गतिविधि– 3 बच्चों को अलग–अलग 7 वर्गों में विभक्त कर एक – एक राज्य की विशेषताओं का लेखन करवाना , तथा कक्षा वाचन | 1)उत्तर पूर्व के सात राज्यों से परिचित हुए ।<br>2) सप्त राज्यों की संस्कृति से परिचित हुए ।<br>3) संस्कृत भाषा के नए शब्दों से परिचय हुए ।<br>4) वाचन कला में आंशिक निपुणता आई ।<br>5) प्रकृति के सौंदर्य से परिचय हुआ ।<br>6) भारत की विविधता में एकता की संस्कृति | बच्चों को अलग–अलग 7 वर्गों में विभक्त कर एक – एक राज्य की विशेषताओं का लेखन करवाना , तथा कक्षा वाचन के द्वारा |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | से परिचित हुए ।<br>7) भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक वैशिष्टय से परिचित हए । | |
| | 2) सावित्रीबाई फुले<br>**व्याकरण** –संधि | **1)** वाचन कौशल का विकास करना।<br>**2)** पाठगत सर्वनाम शब्दों का परिचय कराना।<br>**3)**लंग लकार का अभ्यास कराना।<br>4) संस्कृत वाक्यों का स्वविवेक से निर्माण कराना।<br>5) स्वविवेक से प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास कराना। | 1) शिक्षा के महत्त्व को समझाना।<br>2) शिक्षा मौलिक अधिकार है । इस बारे में जानकारी देना। | (1) मलाला पर आधारित संस्कृत लेख का कक्षा में वाचन (स्कूल मैगज़ीन से<br>गतिविधि– (2) 1 पाठ का वाचन<br>2 पाठ का अनुवाद<br>गतिविधि– (3) पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तर लिखने हेतु दिए जाएँगे।<br>गतिविधि– (4) संस्कृत वाक्यों का निर्माण कीजिए–स्वकीयम् , सक्रिया , मुखरम् , सर्वथा | 1 शिक्षा के महत्त्व को समझा।<br>2 शिक्षा के अधिकार को जाना।<br>**3** संस्कृत वाक्यों का स्वविवेक से निर्माण करना सीखा ।<br>4 वाचन कौशल का विकास हुआ।<br>5 सर्वनाम शब्दों का परिचय हुआ। | संस्कृत वाक्यों का निर्माण के द्वारा |
| दिसम्बर 22<br>**कालांश 5** | **1)** कः रक्षितः कः रक्षति | 1)प्लास्टिक के बढ़ते प्रभाव से परिचित करवाना ।<br>2)सामान्य उपयोग के संस्कृत शब्दों से परिचित करवाना ।<br>3) संस्कृत अंकों से परिचित करवाना । | 1)प्लास्टिक के दुष्प्रभाव की प्रति जागरूकता उत्पन्न करना ।<br>2)पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना । | गतिविधि– (1) दिए गए अंको के लिए संस्कृत शब्द लिखिए –<br>67 98 , 54 , 72 , 87<br>गतिविधि– (2) आप अपने दैनिक जीवन में सामान्य रूप से किन – किन प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग करते हैं , सूची बनाओ – | 1)प्लास्टिक के बढ़ते प्रभाव से परिचित हुए ।<br>2)सामान्य उपयोग के संस्कृत शब्दों से परिचित हुए ।<br>3)संस्कृत अंकों से परिचित हुए ।<br>4)प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता उत्पन्न हुई ।<br>5)पर्यावरण के प्रति | अंको के लिए संस्कृत शब्द लिखिए –के द्वारा |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | जागरूकता उत्पन्न हुई । | |
| | **2)** सुभाषितानि<br>**व्याकरण**– इदम् तत् पु , विधिलिंग | 1 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास ।<br>2 ध्यानपूर्वक सुनना।<br>3 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास।<br>4 संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास कराना। | 1)गुणों के प्रभाव के बारे में जानना।<br>2) महापुरुषों के स्वभाव के बारे में जानना।<br>3)शिक्षा का महत्त्व को जानना।<br>4) परिवार में नारी के महत्त्व को जानना। | गतिविधि 1 श्लोकों का सस्वर गायन<br>‘ श्लोकानुवाद एवं व्याख्या<br>गतिविधि 3 प्रश्न निर्माण करो –<br>1 गुणाः गुणज्ञेषु गुणाः भवन्ति।<br>2 लुब्धस्य यशः नश्यति।<br>3 नद्यः सुस्वदुतोयः भवन्ति।<br>4 मधुमक्षिका माधुर्यमेव जनयति। | 1 संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास हुआ।<br>2 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ ।<br>3 ध्यानपूर्वक सुनने लगे।<br>4 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ । । | प्रश्न निर्माण के द्वारा |
| जनवरी 20<br>**कालांश 5** | 1) आर्यभटः | 1 संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचित करवाना ।<br>2 संस्कृत वाक्य निर्माण में सक्षम बनाना ।<br>3 संस्कृत वाचन कला में निपुण बनाना । | 1 भारतीय मनीषियों के गणित विषय में योगदान से परिचित करवाना ।<br>2 समृद्ध भारतीय संस्कृत साहित्य से परिचित करवाना । | 1 आर्यभट्ट के अतिरिक्त अन्य महान गणितज्ञों के नाम , उनके ग्रंथों की सूची तैयार करना ।<br>2 दिए गए पदों के आधार पर संस्कृत वाक्य निर्माण कीजिए ।<br>परितः , समृद्धः , गणितज्ञः , गोलदीपः | 1)संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचित हुए ।<br>2)संस्कृत वाक्य निर्माण में सक्षम हुए ।<br>3)संस्कृत वाचन कला में निपुणता की ओर अग्रसर हुए ।<br>4)भारतीय मनीषियों के गणित विषय में योगदान से परिचित हुए ।<br>5)समृद्ध भारतीय संस्कृत साहित्य से परिचित हुए । | संस्कृत वाक्य निर्माण के द्वारा |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2)श्लोकाः' | 1)संस्कृत विषय में रुचि जागृत करना।<br>2)श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनाना। | 1)सत्य का , परोपकार का महत्त्व समझाना।<br>2)श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना। | गतिविधि– 1 पाठ का वाचन<br>2 पाठ का अनुवाद<br>गतिविधि 3 प्रश्न–1 सत्येन किम् रक्ष्यते ?<br>2 उदये सविता कीदृशः ?<br>3 कति पुराणानि ?<br>4 काया केन विभाति ? | 1) श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम हुए।<br>2) संस्कृत विषय में रुचि जागृत हुई।<br>3) श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित हुए। | प्रश्नों के द्वारा |
| फरवरी 21<br>**कालांश 5** | 1) प्रहेलिका<br>**व्याकरण**–<br>अपठित बोध<br>संवाद लेखन | 1) **विषय वस्तु से संबंध स्थापित करना ।**<br>2) **नवीन संस्कृत शब्दों से परिचय करवाना ।** | 1) **तार्किक चिंतन के लिए प्रेरित करना ।**<br>2) **समस्या समाधान करना सिखाना \|** | **अन्य संस्कृत प्रहेलिकाओं का संकलन करना ।** | | 1) **विषय वस्तु से संबंध स्थापित करना सीखा \|**<br>2) **नवीन संस्कृत शब्दों से परिचित हुए \|**<br>3) **तार्किक चिंतन कि ओर अग्रसर हुए \|**<br>4) **समस्या समाधान करना सीखा \|** | **प्रहेलिकाओं का संकलन** के द्वारा |
| मार्च 21<br>**कालांश 5** | पुनरावृत्ति | | **Term end exam 2017-18** | | | | |
| | | | | | | | |